



4
22-9-81

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 150]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 3, 1981/आषाढ 12, 1903

No. 150]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 3, 1981/SRAVANA 12, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न बी जाती है जिससे फि यह उल्लंग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मन्त्रालय

(आयात आदार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना संघर्ष 3-आई दी सी(पी एन)/81

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1981

विषय: 1981-82 के दौरान कच्चे कपास का आयात

विषयांशुं आई पी सी/3/9/81.—वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 13-आई दी सी(पी एन)/81 विनांक 3 प्रभ्रात, 1981 के भारीन प्रक्रियत 1981-82 के लिए आयात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है। जिसके अनुसार कच्चे कपास का आयात भारतीय कपास निगम के माध्यम से, सर्वोबद्ध किया गया है। उसमें यह निर्धारित किया गया है कि इस मद्देन के आयात की मात्रा और उस के वितरण की नीति सरकार द्वारा समय-समीय पर निर्धारित की जाएगी।

2. सर्वोबद्ध करने वाल अधिकरण ने पाकिस्तान से मध्यम रेशे की किसी भासौ कच्चे कपास के आयात के लिए व्यवस्थाएं की है। यह निष्क्रिय किया गया है कि आयात किए गए ऐसे कच्चे कपास की मात्रा को एक भाग नियंत्रित किया जाए। इन मिलों को कच्चे कपास का आबंटन उपयुक्त नियंत्रित भारत के अधीन होगा। जिसका निष्क्रिय

इस आधार पर किया जाएगा कि नियंत्रित किए जाने वाले सूती बस्तों के भार और आबंटित किए जाने वाले कपास के भार के बीच अनुपात 100 : 140 हो।

3. वे कपड़े की मिलों जो इस व्यवस्था के अधीन आयातित कच्चे कपास का आबंटन प्राप्त करने की हड्डुक हों उन्हें सत्काल ही मांगी गई मात्रा को दर्शाते हुए भारतीय कपास निगम से मध्यम स्थापित करना चाहिए। भारतीय कपास निगम प्रत्येक मामले में आबंटित की जाने वाली वास्तविक 'मात्रा' को निष्क्रिय करते के पश्चात सम्बद्ध गिल के नाम में एक "झनापति" प्रभागपद जारी कराया। जिस से कि गिल के भारतीय कपास निगम द्वारा नियंत्रित व्यवस्थाओं के अधीन पाकिस्तान से कच्चे कपास के आयात के लिए सीधे आयात लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए समर्थ हो सके। आयात लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र, आयात नियंत्रित किया विधि हैंड बुक 1981-82 में यथा निहित अप्रवाय लाइसेंस प्रदान करने के लिए नियंत्रित प्रपत्र में सम्बद्ध झंडीय लाइसेंस प्राप्तिकारी को किया जाना चाहिए।

आयात लाइसेंस एक उपयुक्त नियंत्रित आमार की गर्त के अधीन होगा जो लाइसेंसधारी को 31 मार्च, 1982 तक पूर्ण करना होगा/नियंत्रित आमार पूर्ण करने के लिए लाइसेंसधारी को लाइसेंस के मद्देन प्रथम परेशन की निकाली से पहले एक नियंत्रित आण्ड आयात नियंत्रित कियावधि पुस्तक 1981-82 के परिषिष्ट-23 में नियंत्रित प्रपत्र में भरना होया जो कि

आयात के लिए अनुमति कच्चे कपास की 500 रुपए प्रति कंडी के बराबर धनराशि की बैंक गारन्टी के द्वारा समर्थित होगा। नियर्यात आवधि के भीतर नियात आभार को पूर्ण न करने पर यह धनराशि उस अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना जम्म की जा सकती है जो लाइसेंस-धारी या किसी भी अन्य व्यक्ति के विषय आयात नियात नियंत्रण अधिनियम और उसके अधीन आरो किए गए आदेशों के प्रत्यंगत की जा सकती है।

4. आयात लाइसेंस ऐसी अन्य शर्तों के अधीन होगा जो कच्चे कपास के आयात के तरीकों के सम्बन्ध में नियित की जाएँ।

5. नियात आभार की पूर्ण करने के साक्षय के रूप में प्रोर बाण्ड की रिहाई के लिए लाइसेंसधारी को वही वस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे जो पंजीकृत नियातकों की आयात नीति के अन्तर्गत नियात के मद्दे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस भागने के लिए प्रस्तुत करने हैं। आभार को पूर्ण करने के लिए किए गए नियात पंजीकृत नियातकों की आयात नीति के अन्तर्गत यथा प्राप्य आयात प्रतिपूर्ति के लाभ के लिए भी पालका प्रदान करें।

6. यह भी निश्चय किया गया है कि भारत के कपास निगम द्वारा किए गए समशोतों के अन्तर्गत आयातित कच्चे कपास का एक भाग राष्ट्रीय वस्त्र निगम को प्रोर सरकार द्वारा नामित ऐसे ही अन्य अधिकारणों को सूत उत्पादन प्रोर उसकी हथकर्ता कंत्र को सरकार द्वारा यथा नियित तरीके से आपूर्ति के लिए नियात आभार के बिना उपलब्ध कराया जाएगा।

मणि भारतीय स्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-
नियात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 39—ITC(PN)/81

New Delhi, the 3rd August, 1981

Subject : Import of raw cotton during 1981-82.

F. No. IPC/3/9/81.—Attention is invited to the import policy for 1981-82, published under the Department of Commerce Public Notice No. 13-ITC(PN)/81 dated the 3rd April, 1981 in terms of which import of raw cotton is canalised through Cotton Corporation of India. It has been laid down that the quantum of import of this item and the policy for distribution will be laid down by Government from time to time.

2. The canalising agency has made arrangements for import of raw cotton of medium staple varieties from Pakistan. It has been decided that a part of the quantity of raw cotton thus to be imported may be allocated to textile mills for production of cotton textiles for export. The allocation of raw cotton to the mills will be subject to a suitable export obligation which will be determined on the basis that the ratio between the weight of the cotton textiles to be exported and the weight of raw cotton to be allocated shall be 100 : 140.

3. Cotton textile mills intending to obtain allocation of imported raw cotton under this arrangement should approach the Cotton Corporation of India immediately indicating the quantity asked for. The Cotton Corporation after determining the actual quantity to be allocated in each case will issue 'No objection certificate in favour of the mill concerned, to enable the mill to apply for a direct import licence, for the import of raw cotton from Pakistan under the arrangements finalised by the Cotton Corporation of India. The application for import licence should be made to the regional licensing authority concerned in the form prescribed for the grant of imprest licences, as contained in Annexure XV in Appendix 10 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1981-82. The import licence will be subject to a suitable export obligation which the licensee will be required to discharge by 31st March, 1982. For the discharge of the export obligation, the licence-holder will be required to execute, before clearance of the first consignment against the licence, an export bond in the form prescribed in Appendix 23 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1981-82 supported by a bank guarantee for an amount equal to Rs. 500 per candy of raw cotton permitted for import. In the event of non-fulfilment of the export obligation within the stipulated period, this amount shall be liable to forfeiture, without prejudice to any other action that may be taken against the licensee or any other person under the Imports & Exports Control Act and the orders issued thereunder.

4. The import licence shall be subject to such other conditions as may be decided regarding the manner for import of raw cotton.

5. As evidence of fulfilment of the export obligation and for redemption of bond, the licensee will be required to submit the same documents as are to be produced for claiming import replenishment licences against the export under the import policy for Registered Exporters. The exports made in discharge of the obligation will also be eligible for the benefit of import replenishment as admissible under the import policy for Registered Exporters.

6. It has also been decided that a part of raw cotton imported under the arrangements entered into by Cotton Corporation of India will be made available to National Textile Corporation and such other agencies designated by Government for production of yarn and for its supply to the handloom sector without an export obligation, in the manner as may be decided by Government.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of
Imports & Exports.